



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 347] नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 5, 1977/श्रावण 14, 1899

No. 347] NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 5, 1977/SRAVANA 14, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(विधायी विभाग)

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 5 अगस्त, 1977

का० आ० 607(अ).—भारत के राजपत्र असाधारण, भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 19 मार्च, 1977 के पृष्ठ 1218-1222 पर प्रकाशित भारत सरकार के विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय के आदेश सं० का० आ० 246(अ), तारीख 19 मार्च, 1977 में,—

- (क) (i) पृष्ठ 1219 पर प्रथम पंक्ति के अन्तिम शब्द “हों,” के स्थान पर “हो”, पढ़ें;
- (ii) पृष्ठ 1219 पर तेरहवीं पंक्ति के अन्तिम शब्द “परिभाषित” के स्थान पर “परिभाषित” शब्द पढ़ें ;
- (iii) पृष्ठ 1219 पर चौदहवीं पंक्ति के अन्तिम शब्द “है” के स्थान पर “हूँ” शब्द पढ़ें ;
- (iv) पृष्ठ 1219 पर छब्बीसवीं पंक्ति के प्रथम शब्द “नियुक्ति” के स्थान पर “नियुक्त” शब्द पढ़ें ,

- (v) पृष्ठ 1219 पर सताइसवीं पंक्ति में, “असंख्यो” शब्द के स्थान पर “कसंख्यो” शब्द पढ़ें ;
- (vi) पृष्ठ 1219 पर बत्तीसवीं पंक्ति में, “किया जा वाला” शब्दों के स्थान पर “किया जाने वाला” शब्द पढ़ें ;
- (ख) (i) पृष्ठ 1220 पर प्रथम पंक्ति में, “सेवा निवृत्ति” शब्द के स्थान पर “सेवा-निवृत्त” शब्द पढ़ें ;
- (ii) पृष्ठ 1220 पर पन्द्रहवीं पंक्ति में, “कर्मचारिवृत्त” शब्द के स्थान पर “कर्मचारिवृन्द” शब्द पढ़ें ;
- (iii) पृष्ठ 1220 पर इक्कीसवीं पंक्ति में, “अय” शब्द के स्थान पर “अन्य” शब्द पढ़ें ;
- (ग) (i) पृष्ठ 1221 पर दसवीं पंक्ति में, “लेखाबद्ध” शब्द के स्थान पर “लेखबद्ध” शब्द पढ़ें ;
- (ii) पृष्ठ 1221 पर अठारवीं पंक्ति में, “रखगा” शब्द के स्थान पर “रखेगा” शब्द पढ़ें ;
- (iii) पृष्ठ 1221 पर इक्कीसवीं पंक्ति में, “नोटरीया” शब्द के स्थान पर “नोटरी या” शब्द पढ़ें ;
- (iv) पृष्ठ 1221 पर तेइसवीं पंक्ति में, “क कतिपय उपबन्धो” शब्दों के स्थान पर “के कतिपय उपबन्धो” शब्द पढ़ें ;
- (घ) पृष्ठ 1222 पर उपाबन्ध की अन्तिम पंक्ति में आए “मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी नोटरी शपथ-आयुक्त” पद को दाएं कोने में फा० सं० के ऊपर पढ़ें ।

[सं० फा० 23 (18)/75-विधावी-2]

ई० वैंकटेश्वरन, संयुक्त सचिव ।